



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 249]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 22, 2009/आषाढ़ 31, 1931

No. 249]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 22, 2009/ASADHA 31, 1931

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 2009

विषय :— चीन जन. गण. तथा मेक्सिको के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पेनिसिलीन जी पोटेशियम और चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित 6-एपीए (6-एमीनो पेनिसिलेनिक एसिड) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करना।

सं. 14/19/2009-डीजीएडी.—यतः मै. एलेम्बिक लि., वडोदरा तथा मै. सदर्न पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन लि. (एसपीआईसी), चेन्नई ने वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 (जिसे एतदपश्चात् पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक याचिका दायर की है जिसमें चीन जन. गण. और मेक्सिको (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पेनिसिलीन जी पोटेशियम और चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित 6-एपीए (6-एमीनो पेनिसिलेनिक एसिड) के कथित पाटन के विरुद्ध पाटनरोधी जांच शुरू करने का अनुरोध किया गया है।

और यतः प्राधिकारी ने यह पाया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन, घरेलू उद्योग को हुई क्षति तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं, अतः

प्राधिकारी आरोपित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने, जिसे वसूल किया जाता है तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, उक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार कथित पाटन तथा घरेलू उद्योग को हुई परिणामी क्षति की एतद्वारा जांच शुरू करते हैं।

घरेलू उद्योग

2. यह आवेदन मै. एलेम्बिक लि., वडोदरा तथा मै. सदर्न पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन लि. (एसपीआईसी), चेन्नई द्वारा दायर किया गया है। उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार, पेनिसिलीन-जी के आयातों हेतु भारत के उत्पादन में याचिकाकर्ता का हिस्सा शत-प्रतिशत है। मै. एलेम्बिक ने 6 एपीए के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू करने हेतु भी याचिका दायर की है। 6 एपीए के संबंध में याचिकाकर्ता ने यह भी सूचित किया है कि भारत में इसके कई उत्पादक हैं लेकिन यह उत्पादन केवल आबद्ध खपत हेतु ही किया जाता है और बाजार में बेचा नहीं जाता है। तदनुसार याचिकाकर्ताओं ने अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग की स्थिति तथा दायरे के निर्धारण हेतु उन उत्पादकों के 6 एपीए के उत्पादन पर विचार नहीं किया जाना चाहिए जो आबद्ध रूप से इसकी खपत करते हैं और बाजार में उत्पाद की बिक्री नहीं करते। उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि पाटनरोधी नियम के नियम 2(ख) तथा नियम 5(3)(क) के अनुसार याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग की ओर से पाटनरोधी जांच हेतु वर्तमान याचिका दायर करने की स्थिति में हैं।

विचाराधीन उत्पाद

3. विचाराधीन उत्पाद पेनिसिलीन-जी पोटेशियम तथा 6-एपीए (ए-एमीनो पेनिसिलेनिक एसिड) हैं।

पेनिसिलिन-जी एक कार्बनिक यौगिक है। यह आकाररहित श्वेत चूर्ण है जो पानी में पूर्णतः विलेय नहीं है और मिथेनॉल, इथेनॉल, ईथर, इथाइल एसिटेट, क्लोरोफॉर्म एसिटोन, बेंजीन में पूर्णतः विलेय है। पेनिसिलीन, पेड्रोलीयम ईथर में विलेय नहीं है। कार्बन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन, ऑक्सीजन तथा सल्फर के प्रतिशत के रूप में उत्पाद की रासायनिक विशेषताएँ उल्लिखित हैं। पेनिसिलीन β -लेक्टम एंटीबायोटिक है जिसका प्रयोग अतिसंवेदनशील ग्राम-पॉजिटिव ऑर्गेनिज्म के कारण हुए जीवाणु संक्रमण के उपचार हेतु किया जाता है। पेनिसिलीन पृथक् किया जाने वाला पहला एंटीबायोटिक है और इसका उपयोग विभिन्न रोगों तथा संक्रमणों के उपचार हेतु किया जाता है। पेनिसिलीन को विभिन्न रासायनिक नामों जैसे बेंजाइलपेनिसिलीन, बेंजाइलपेनिसिलीन एसिड; पेनिसिलिन II से भी जाना जाता है।

6-एपीए पेनिसिलीन-जी का व्युत्पत्तिक है और एक कार्बनिक रसायन भी है। 6-एपीए श्वेत चूर्ण के रूप में होता है। यह सामान्य परिस्थिति में स्थिर रहता है तथा इसका गलनांक 198-200 सी है। एम्पीसिलीन, आर्मेक्सिलीन तथा क्लॉक्ससिलीन जैसे व्युत्पत्तिकों के विनिर्माण हेतु 6-एपीए एक मध्यवर्ती है।

4. विचाराधीन उत्पाद भारतीय व्यापार वर्गीकरण (सुमेलीकृत वस्तु विवरण तथा कोडिंग प्रणाली पर आधारित) के सीमा-शुल्क टैरिफ अध्याय 29 के उपशीर्ष 294110 तथा उपशीर्ष 29411010 तथा 29411050 के तहत वर्गीकृत है।

समान वस्तु

5. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तुओं और संबद्ध देशों से निर्यातित वस्तुओं में कोई विशेष अंतर नहीं है। याचिकाकर्ता के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के रूप में संबद्ध देशों से आयातित वस्तुओं के साथ तुलनीय है। ये दोनों वस्तुएं तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और इनकी विशेषताएं एक-दूसरे के समान हैं। वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तु को पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों से आयातित उत्पाद के समान वस्तु माना जा रहा है।

शामिल देश

6. वर्तमान जांच में पेनिसिलीन-जी तथा 6-एपीए दोनों के आयात हेतु शामिल देश चीन जन. गण. और पेनिसिलीन-जी के आयात हेतु शामिल देश मेक्सिको है।

सामान्य मूल्य

7. आवेदक का प्रस्ताव है कि चीन के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश होने के कारण सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियम के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ताओं ने सूचित किया है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमतों अथवा ऐसे तीसरे देशों से अन्य देशों हेतु कीमतों से संबंधित सूचना प्राप्त नहीं कर सके हैं। तदनुसार, याचिकाकर्ता का प्रस्ताव है

कि चीन के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत में उत्पादन लागत के आधार पर किया जाए।

जहाँ तक मेक्सिको का संबंध है, मेक्सिको के घरेलू बाजार में बिक्री कीमत के संबंध में किसी सूचना के अभाव में सामान्य मूल्य का निर्धारण बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्ययों तथा उचित लाभों सहित उत्पादन लागत के अनुमानों के आधार पर किया गया है।

निर्यात कीमत

8. आवेदक ने निर्यात कीमत की गणना वर्ष 2005-06 से 2007-08 की अवधि हेतु पेनिसिलीन-जी के संबंध में डी जी सी आई एंड एस द्वारा संकलित आंकड़ों के आधार पर की है। तथापि आवेदक ने अप्रैल, 2008 से मार्च, 2009 की अवधि के लिए गौण स्रोतों अर्थात् मै. इंटरनेशनल बिजनेस इन्फॉर्मेशन सर्विसेज, मुंबई (आई बी आई एस) से भी आयात संबंधी सूचना एकत्र की है। 6-ए पी ए के आयात संबंधी आंकड़े आई बी आई एस से एकत्रित किए गए हैं। निवल निर्यात कीमत का अनुमान भी सी आई एफ कीमत के आधार पर किया गया है तथा कारखाना द्वार स्तर पर निवल निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु समुद्र भाड़ा, कमीशन आदि से संबंधित विभिन्न समायोजन घटक अपनाए गए हैं।

पाटन मार्जिन

9. "विचाराधीन उत्पाद" हेतु पाटन मार्जिन का निर्धारण कर लिया गया है। तथापि प्रस्तावित जांच अवधि के भीतर कीमतों में हुए अत्यधिक परिवर्तन के मद्देनजर (834 रुपये प्रति इकाई के उच्च स्तर से 281 रूपए प्रति इकाई के निम्नतर स्तर तक) याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि प्राधिकारी वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ विदेशी उत्पादकों द्वारा ऑर्डर बुक करने की तारीख को ही बिक्री की तारीख मानें। प्राधिकारी ने तदनुसार निर्यातकों को प्रश्नावली में संगत सूचना अर्थात् बिक्री की तारीख के रूप में ऑर्डर बुक करने की तारीख, प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। इस चरण में, संगत तथ्यात्मक सूचना के उपलब्ध न होने के मद्देनजर घरेलू उद्योग को हुई क्षति के निर्धारण के लिए तीन माह का समयांतर अपनाया गया है।

क्षति एवं कारणात्मक संबंध

10. याचिकाकर्ता ने क्षति अवधि के दौरान पाटित आयातों की बढ़ी हुई मात्रा, संबद्ध वस्तुओं की आयात कीमतों में अत्यधिक वृद्धि और तत्पश्चात् गिरावट, अत्यधिक कीमत कटौती, निरंतर जारी अत्यधिक वित्तीय हानि, नकारात्मक नकद प्रवाह, नियोजित पूंजी पर नकारात्मक आय, उत्पादन क्षमताओं के अप्रयुक्त रहने, घरेलू उद्योग के उत्पादन तथा बिक्री के निम्न स्तर आदि के रूप में कथित पाटन के परिणामस्वरूप हुई क्षति से संबंधित साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि पाटन की मात्रा इतनी अधिक थी कि एक आवेदक को लगभग 20 महीनों तक संबद्ध वस्तु का उत्पादन बंद करना पड़ा। संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण आवेदकों को हुई वास्तविक क्षति के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य मौजूद हैं।

जांच की अवधि (पी ओ आई)

11. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि अक्टूबर 2008-मार्च 2009 (6 माह) तक की है। तथापि क्षति संबंधी जांच के लिए

अवधि में अप्रैल 2005-मार्च 2006, अप्रैल 2006-मार्च 2007, अप्रैल 2007-मार्च 2008 और जांच अवधि शामिल होगी।

भूतलक्षी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लागू करना

12. आवेदकों ने भूतलक्षी प्रभाव से शुल्क लागू करने का अनुरोध इस आधार पर किया है कि पूर्व में भी पाटन जारी रहा है, निर्यातक इस तथ्य से भली-भाँति परिचित हैं कि वे पाटन का सहारा ले रहे हैं; आयातक भी जानते हैं कि निर्यातक पाटन का रास्ता अपना रहे हैं; अपेक्षाकृत अल्पावधि में आयात कीमतों में अत्याधिक गिरावट आई है। प्रस्तुत सूचना के आधार पर प्राधिकारी द्वारा इस संबंध में आवेदक के दावे पर विचार करने का प्रस्ताव है और उन्होंने हितबद्ध पक्षकारों को इस संबंध में अपने अनुरोध करने के लिए आमंत्रित किया है।

सूचना प्रस्तुत करना

13. संबद्ध देश के निर्यातकों और भारत में उनके दूतावासों के जरिए उनकी सरकार, भारत में संबद्ध समझे जाने वाले आयातकों और प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग को अलग से सूचित किया जा रहा है ताकि वे निर्धारित विधि और पद्धति से सहमत संगत सूचना प्रस्तुत कर सकें। वर्तमान जांच में भाग लेने की इच्छुक कोई अन्य पक्ष निम्नलिखित को लिख सकता है :—

निर्दिष्ट प्राधिकारी

पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

वाणिज्य विभाग

कमरा सं. 240

उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011

कोई अन्य इच्छुक पार्टी भी जांच संबंधी अपना अनुरोध निर्धारित समय-सीमा के भीतर निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित ढंग से कर सकती है।

समय-सीमा

14. वर्तमान जांच से संबंधित कोई सूचना लिखित में भेजी जाए जो प्राधिकारी के पास उपर्युक्त पते पर इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों (40 दिन) से पूर्व पहुँच जानी चाहिए। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है या प्राप्त हुई सूचना अधूरी है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उपरोक्त नियमों के अनुसार रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

अगोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

15. नियम 7 के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्राधिकारी को उपलब्ध कराई गई किसी सूचना का अगोपनीय सारांश उपलब्ध कराया जाना अपेक्षित है और यदि ऐसी सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकार की राय में ऐसी सूचना का सारांश प्रस्तुत करना संभव नहीं है तो उसके कारणों का विवरण प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है।

उपर्युक्त पैरा के होते हुए भी यदि प्राधिकारी का मत है कि गोपनीयता का अनुरोध आवश्यक नहीं है अथवा सूचना प्रदाता सूचना

को सार्वजनिक करने का इच्छुक नहीं है और न ही सामान्यीकृत अथवा सारांश रूप में उसका प्रकटन करना चाहता है तो वे ऐसी सूचना की उपेक्षा कर सकते हैं।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

16. नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पक्षकार अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय रूपान्तर वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

17. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार सूचना जुटाने से मना करता है अथवा उचित अवधि के भीतर उसे उपलब्ध नहीं कराता है अथवा जांच में अत्याधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केंद्र सरकार के यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING
AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd July, 2009

Subject :—Initiation of Anti-Dumping investigations concerning imports of Penicillin-G Potassium originating in or exported from China PR and Mexico and 6-APA (6-Amino Penicillanic Acid) originating in or exported from China PR.

No. 14/19/2009-DGAD.—M/s. Alembic Ltd., Vadodara and M/s. Southern Petrochemical Industries Corporation Ltd. (SPIC), Chennai, has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules) for initiation of anti-dumping investigations concerning alleged dumping of Penicillin-G Potassium originating in or Exported from China PR and Mexico and 6-APA (6-Amino Penicillanic Acid) (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from People's Republic of China (hereinafter referred to as subject countries).

And whereas, the Authority finds that sufficient *Prima facie* evidence of dumping of subject goods by the subject country(ies), injury to the domestic industry and causal links between the dumping and injury exist, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged

dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

Domestic Industry

2. Application has been filed by M/s. Alembic Ltd., Vadodara and M/s. Southern Petrochemical Industries Corporation Ltd. (SPIC), Chennai. As per evidence available, the petitioner accounts for 100% of the Indian production for imports of Pencillin G. M/s. Alembic has also filed petition for imposing of ADD on imports of 6 APA. In case of 6 APA, petitioner has also submitted that there are number of producers in India but such production is made only for captive consumption and is not sold in the market. Accordingly, the petitioners have submitted that production of 6 APA by those producers who consumes it captively and do not sell in the market, should not be considered for determination of standing and scope of the domestic industry. The Authority on the basis of evidence available finds that the applicants has the standing to file the present petition for anti-dumping investigation on behalf of domestic industry in accordance with Rule 2(b) and Rule 5(3) (a) of Anti Dumping Rules.

Product under consideration

3. The product under consideration is Penicillin-G Potassium and 6-APA (6-Amino Penicillanic Acide).

Penicillin-G is an organic compound. It is an amorphous white powder, sparingly soluble in water and soluble in methanol, ethanol, ether, ethyl acetate, chloroforms, acetone, benzene, Penicillin is insoluble in petroleum ether. Chemical properties of the product are described in terms of percentage of carbon, hydrogen, nitrogen, oxygen and sulphur. Penicillin is a β -lactam antibiotic used in the treatment of bacterial infection caused by susceptible, usually Gram-positive, organisms. Penicillin is the first antibiotic to be isolated and used in the treatment of various diseases and infections. Penicillin is also known by alternative chemical names such as benzylpenicillin; benzylpenicillin acid; penicillin II.

6-APA is a derivative of Penicillin-G and is also an organic chemical, 6-APA is a white powder. It is stable in ordinary conditions and the melting point is 198—200°C. 6-APA is an intermediate for manufacture of derivative such as Ampicillin, Amoxycillin and Cloxacillin.

4. The product under consideration is classified under Customs Tariff Chapter 29 at sub-heading 2941 10 and subheading 2941 10 10 and 2941 10 50 under the Indian Trade Classification (Based on Harmonized Commodity Description and Coding System). Customs classification is indicative only and not binding on the scope of investigations.

Like Articles

5. Petitioner has claimed that there is no significant difference in subject goods produced by the domestic industry and those exported from the subject country(ies). According to the petitioners, subject goods produced by the Indian industry and imported from Subject Country(ies) are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specification, pricing, distribution and marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable and consumers have used the two interchangeably. For the purpose of present investigations, the subject goods produced by the applicant is being treated as like articles of subject goods imported from subject country(ies) within the meaning of the Anti Dumping Rules.

Countries involved

6. The country involved in the present investigation is People's Republic of China for the imports of both Penicillin-G and 6-APA and Mexico for the imports of Penicillin-G.

Normal value

7. The applicant has proposed that China being a Non-Market Economy, the normal value should be determined in terms of Para 7 of Annex-I of Anti-Dumping Rules. The applicant have stated that they have not been able to procure the price in the Market Economy Third Country or prices from such third countries to other countries. Accordingly, the applicant has proposed that Normal Value in respect of China may be determined on the basis of cost of production in India.

As regards Mexico, in the absence of any information with respect to selling price in the domestic market of the Mexico, the normal value has been constructed based on estimates of cost of production, including selling, general and administrative expenses and reasonable profits.

Export Price

8. The applicant has worked out export price based on the data compiled information of Penicillin-G as per DGCI & S for the period 2005-06 to 2007-08. However, the applicant has collected imports information from secondary sources, i.e. M/s. International Business Information Services, Mumbai (IBIS) for the period April 2008 to March 2009. The import data of 6-APA is collected from IBIS. The net export price has also been estimated based on the CIF price and adopting various elements of adjustments towards ocean freight, commission, etc., to arrive at net export price at ex-factory level.

Dumping margin

9. Dumping margin has been determined for "product under consideration". However, in view of significant change in the prices within the proposed investigation period (from as high as Rs. 834 per unit to as low as Rs. 281 per unit), petitioner has submitted that claimed that the Authority to considers date of sale as the date of order booking by the foreign producers for the present purpose. The Authority also directs the exporters to provide relevant information accordingly i.e. date of order booking as date of sale in their questionnaire responses. At this stage, given that the relevant factual information is not accessible a three months time lag has been adopted in order to determine injury to the domestic industry.

Injury and Causal Link

10. The applicant has furnished evidence regarding the injury having taken place as a result of the alleged dumping in the form of decline in market share as a result of increased volume of dumped imports, significant increase and thereafter decline in the import prices of the subject goods from the subject country(ies) over the injury period, significant price undercutting, continued significant financial losses, negative cash flow, negative return on capital employed, significant idling of production capacities, low level of production and sales of the domestic industry, etc.. Petitioner has claimed that so severe was the extent of dumping that one of the applicants had to close production of the subject goods for nearly 20 months. There is sufficient prima facie evidence of the material injury being suffered by the applicants because of dumped imports from the subject country.

Period of investigation

11. The period of investigation for the purpose of present investigation is October 2008-March 2009 (6 Months). The injury investigation period will however cover the periods April 2005-March 2006, April 2006-March 2007, April 2007-March 2008, April 2008-September 2008 and the Period of Investigation (PoI).

Imposition of anti-dumping duties on Retrospective basis

12. The applicants have requested for retrospective imposition of duty on the grounds that there is history of dumping, the exporters are well aware that they are resorting to dumping; importers are, or should have been, well aware that the exporters are practicing dumping; there is significant decline in import prices in a relatively short period. On the basis of information submitted, the Authority proposes to consider the claim of the applicant in this regard and invites the interested parties to make their submissions in this regard as well.

Submission of information

13. The exporters in the subject country(ies) and their respective Government through their Embassy in India, importers and users in India known to be concerned and the domestic industry are being informed separately to enable them to file all relevant information in the form and manner prescribed. Any other party interested to participate in the present investigation may write to :

The Designated Authority,
Directorate General of Anti-Dumping & Allied
Duties, Ministry of Commerce & Industry,
Department of Commerce
Room No. 240, Udyog Bhavan,
New Delhi-110007.

Time limit

14. Any information relating to this investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the above address not later than 40 days from the date of publication of this notification. If no information is received within the prescribed time-limit or the information received is incomplete, the Authority may record their findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules supra.

Submission of Information on Non-Confidential basis

15. In terms of Rule 7, the interested parties are required to submit non-confidential summary of any confidential information provided to the Authority and if in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summarization, a statement of reason thereof, is required to be provided.

Notwithstanding anything contained in para above, if the Authority is satisfy that the request for Confidentiality is not warranted or the Supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalised or summary form, it may disregard such information.

Inspection of Public File

16. In terms of rule 6(7) any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties.

17. In case where an interested party refuses access to or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

SR. GOPALAN, Designated Authority

2693 GI/09-2